तोप (वीरेन डंगवाल)

पाठ का परिचय

प्रतीकों और धरोहरों से हमें अपने देश और समाज की उन उपलब्धियों का पता चलता है, जिनसे हम गौरवान्वित हुए। इसी के साथ उनसे पूर्वजों की उन गलतियों का भी पता चलता है, जिनके कारण कई पीढ़ियों को दारुण दुख झेलना पड़ा। प्रस्तुत पाठ में वर्णित 'तोप' एक ऐसी ही धरोहर है, जो हमें याद दिलाती है कि हमारे पूर्वजों ने अंग्रेज़ों को भारत में व्यापार की अनुमति देने की गलती की, जिसका दंड देश की कई पीढ़ियों ने अंग्रेज़ों की गुलामी के रूप में भोगा। पाठ हमें बताता है कि कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, एक दिन उसका भी पतन हो जाता है।

काव्यांशों का भावार्थ

तोप

1. कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत-से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी ज़बर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने ज़माने में।

भावार्थ–कवि कहता है कि कंपनी बाग के मुख्य द्वार पर प्रवेश करते ही एक तोप रखी हुई दिखाई देती है। यह तोप सन् 1857 के स्वतंत्रता-संग्राम में प्रयोग की गई थी। पूर्वजों से मिली धरोहर की तरह कंपनी बाग के साथ-साथ इस तोप की भी बहुत देखभाल की जाती है। इसे एक साल में दो बार खूब चमकाया जाता है। कंपनी बाग में सुबह-शाम बहुत-से सैलानी घूमने आते हैं। यह तोप उन्हें अपनी बहादुरी की कहानी सुनाती है और बताती है कि मैं बहुत ज़बरदस्त हूँ। मैंने अपने जमाने में अर्थात् सन् 1857 के संग्राम में बड़े-बड़े शूरवीरों के चिथड़े-चिथड़े उड़ा दिए थे।

2. अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खास कर गौरैयें
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

भावार्थ–कवि कहता है कि पहले यह तोप चाहे जितनी भी शक्तिशाली रही हो, लेकिन आज तो यह खिलौना बन गई है। अब तो छोटे-छोटे बच्चे उस पर बैठकर घुड़सवारी का आनंद लेते हैं और जब वह बच्चों की घुड़सवारी से मुक्ति पाती है तो चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं। कभी-कभी तो वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं। यह काम खासकर गौरैयें करती हैं। उसमें घुसकर वे बताती हैं कि कोई तोप कितनी भी बड़ी और शक्तिशाली क्यों न हो, एक-न-एक दिन उसका मुँह बंद हो जाता है। अर्थात् दमन और विध्वंस से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। दमनकारी एक-न-एक दिन समाप्त हो ही जाता है।

शब्दार्थ

मुहाने = प्रवेश द्वार पर। **सम्हाल** = देखभाल। **विरासत** = पूर्व पीढ़ियों से प्राप्त वस्तुएँ। **सैलानी** = दर्शनीय स्थलों पर आने वाले यात्री। **ज़बर** = ताकतवर। **सूरमाओं** = वीरों। **धज्जे** = चिथड़े-चिथड़े करना। **फ़ारिग** = मुक्त, खाली।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

(1) कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।

सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत-से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी ज़बर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने ज़माने में।

1. **तोप को कहाँ रखा गया है–**
   (क) नगर के चौराहे पर (ख) कंपनी बाग के मुहाने पर
   (ग) छावनी के मुख्य द्वार पर (घ) नेशनल पार्क में।
2. **कंपनी बाग के मुहाने पर रखी तोप किस समय की है–**
   (क) सन् 1800 की (ख) सन् 1820 की
   (ग) सन् 1857 की (घ) सन् 1890 की।
3. **तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता है–**
   (क) चार बार (ख) दो बार
   (ग) तीन बार (घ) एक बार।
4. **तोप अपने ज़माने में कैसी थी–**
   (क) बहुत कमज़ोर (ख) बहुत कीमती
   (ग) बहुत शक्तिशाली (घ) बहुत सुंदर।
5. **सुबह-शाम कंपनी बाग में कौन आता है–**
   (क) चिड़ियाँ (ख) बहुत-से सैलानी
   (ग) बहुत-से खिलाड़ी (घ) बंदर।

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (ख)।

(2) अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खास कर गौरैयें
वे बताती हैं कि दरसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

1. **छोटे लड़कों का तोप के प्रति क्या व्यवहार है–**
   (क) वे उसकी घुड़सवारी करते हैं
   (ख) वे उस पर पत्थर मारते हैं
   (ग) वे उसे नमन करते हैं
   (घ) वे उसके पास तक भी नहीं जाते।
2. **तोप के ऊपर बैठकर कौन गपशप करता है–**
   (क) छोटे बच्चे (ख) स्त्रियाँ
   (ग) रेहड़ी वाले (घ) चिड़ियाँ।
3. **गौरैयें क्या करती हैं–**
   (क) तोप के ऊपर बैठ जाती हैं
   (ख) उसके अंदर घुस जाती हैं
   (ग) उसमें घोंसला बना लेती हैं
   (घ) उस पर अपनी चोंच मारती हैं।
4. **'कितनी भी बड़ी हो तोप एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।' का क्या आशय है–**
   (क) शक्तिशाली और अत्याचारी का पतन निश्चित है
   (ख) पुरानी तोप का मुँह बंद हो जाता है
   (ग) स्थिति कभी एक जैसी नहीं रहती
   (घ) शक्तिशाली का कभी अंत नहीं होता।
5. **एक दिन किसका मुँह बंद हो जाता है–**
   (क) सुरंग का (ख) बोतल का
   (ग) तोप का (घ) चिड़िया का।

उत्तर— **1.** (क) **2.** (घ) **3.** (ख) **4.** (क) **5.** (ग)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **'तोप' कविता के कवि का क्या नाम है–**
   (क) सुमित्रानंदन पंत (ख) मंगलेश डबराल
   (ग) वीरेन डंगवाल (घ) जयशंकर प्रसाद।
2. **वीरेन डंगवाल का जन्म किस प्रदेश में हुआ–**
   (क) उत्तर प्रदेश (ख) उत्तराखंड
   (ग) मध्य प्रदेश (घ) बिहार
3. **वीरेन डंगवाल का मुख्य पेशा क्या था–**
   (क) शिक्षण (ख) व्यापार
   (ग) पत्रकारिता (घ) फ़िल्म निर्माण।
4. **तोप पर बैठी चिड़ियाँ हमें क्या संदेश देती है–** ***(CBSE 2023)***
   (क) जीवन नश्वर और क्षणभंगुर है
   (ख) बाहरी आक्रांताओं से सावधान रहना चाहिए
   (ग) विरासत में मिली चीज़ों को सँभालकर रखना चाहिए
   (घ) अत्याचारी का अंत एक-न-एक दिन अवश्यंभावी है।
5. **तोप की सम्हाल किसकी तरह होती है–**
   (क) पूँजी की तरह (ख) मकान की तरह
   (ग) गांधी बाग की तरह (घ) प्रिय उपहार की तरह।
6. **तोप के अतीत और वर्तमान का वर्णन करने के उपरांत कवि ने एक महत्त्वपूर्ण संदेश दिया है कि–** ***(CBSE SQP 2023-24)***
   (क) स्थिति सदैव एक जैसी रहती।
   (ख) गौरैया जैसे पक्षी भी खेलते हैं।
   (ग) कंपनी बाग में भी सजावट की गई है।
   (घ) तोप बड़े-बड़े योद्धाओं के पसीने छुटा देती है।
7. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–** ***(CBSE 2023)***
   कथन (A)–तोप अत्याचारी सत्ता का प्रतीक है।
   कारण (R)–तोप जैसी वस्तुओं को सजाकर रखना चाहिए।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
   (घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
8. **तोप ने अपने ज़माने में क्या किया था–**
   (क) बड़े-बड़े युद्ध जीते थे
   (ख) शत्रुओं से हार गई थी
   (ग) अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए थे
   (घ) कई किलों को ढहाया था।
9. **तोप की सम्हाल क्यों की जाती है–**
   (क) उसके द्वारा युद्ध लड़ा जाएगा
   (ख) वह बहुत कीमती थी
   (ग) वह विरासत है
   (घ) उपर्युक्त में कोई नहीं।

10. **तोप किस जमाने की है–**
   (क) महाभारत काल की (ख) मुगलों के ज़माने की
   (ग) नए ज़माने की (घ) अंग्रेज़ों के ज़माने की।

11. **तोप पर घुड़सवारी कौन करता है–**
   (क) सैनिक (ख) चौकीदार
   (ग) छोटे बच्चे (घ) बड़े बच्चे।

12. **गौरैया शैतानी में क्या करती हैं–**
   (क) तोप पर चोंच मारती हैं
   (ख) तोप पर ऊपर बीट कर देती हैं
   (ग) तोप के अंदर घुस जाती हैं
   (घ) उपर्युक्त में कोई नहीं।

13. **ब्रिटिश सेना ने तोप का प्रयोग क्यों किया–**
   (क) भारतीय देशभक्तों का दमन करने के लिए
   (ख) अपनी हुकूमत चलाने के लिए
   (ग) खुद को शक्तिशाली बनाने के लिए
   (घ) बातचीत बंद करने के लिए।

14. **बाग में रखी तोप हमें क्या सीख देती है–**
   (क) पूर्वजों की गलतियों का अहसास करवाती है
   (ख) पुरानी गलतियों को न दोहराने की सीख देती है
   (ग) दोबारा किसी विदेशी पर भरोसा न करने की सीख देती है
   (घ) उपर्युक्त सभी।

15. **विरासत में मिली वस्तुओं की सँभाल क्यों की जाती है–**
   (क) पूर्वजों की याद दिलाती हैं
   (ख) पूर्वजों का आशीर्वाद होती हैं
   (ग) पूर्वजों के जीवन के बारे में बताती हैं
   (घ) उपर्युक्त सभी।

16. **गांधी बाग की तोप किसने प्रयोग की थी–**
   (क) पूर्वजों ने (ख) झाँसी की रानी ने
   (ग) 1857 में अंग्रेजों ने (घ) इनमें कोई नहीं।

17. **आखिरकार तोप का मुँह एक दिन बंद क्यों हो जाता है–**
   (क) क्योंकि तोप कुछ समय बाद पुरानी हो जाती है
   (ख) क्योंकि तोप कुछ समय बाद खराब हो जाती है
   (ग) क्योंकि तोप समस्या का अंतिम समाधान नहीं है
   (घ) क्योंकि तोप प्रयोग करने योग्य नहीं रहती है।

18. **तोप किसका प्रतीक है–**
   (क) कायर का (ख) वीर का
   (ग) अत्याचारी का (घ) सदाचारी का

उत्तर– **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (क) **7.** (ग) **8.** (ग) **9.** (ग) **10.** (घ) **11.** (ग) **12.** (ग) **13.** (क) **14.** (घ) **15.** (घ) **16.** (ग) **17.** (ग) **18.** (ग)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : **तोप कहाँ सँभालकर रखी गई है?**

उत्तर : अंग्रेज़ों द्वारा सन् 1857 के संग्राम में प्रयोग की गई एक तोप कंपनी बाग के मुहाने पर प्रदर्शन के लिए सँभालकर रखी गई है।

प्रश्न 2 : **कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?**

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप यह सीख देती है कि हर अत्याचारी का एक दिन अंत हो जाता है। कोई भी दमनकारी क्रांति को नहीं दबा सकता। अंत में अन्यायी की दुर्गति होती है। तोप हमें यह भी बताती है कि भविष्य में हम ईस्ट इंडिया जैसी किसी कंपनी को देश में पाँव न जमाने दें, जिसने हमें गुलामी के नरक में रहने के लिए मजबूर किया।

प्रश्न 3 : **इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती हैं?**

उत्तर : इस कविता से हमें पता चलता है कि इस तोप का प्रयोग सन् 1857 के स्वतंत्रता-संग्राम में किया गया था। उस समय अंग्रेज़ी-शासकों ने भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों को दबाने के लिए इन तोपों का दुरुपयोग किया था और बहुत-से वीर स्वतंत्रता-सेनानियों को मार डाला था, परंतु भारतीयों ने हिम्मत नहीं हारी थी। उनसे प्रेरित होकर कुछ समय बाद फिर सारा देश आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ा था और अंग्रेज़ों को यहाँ से भागना पड़ा था। आज इस तोप का मुँह बंद हो गया है।

प्रश्न 4 : **तोप कविता हमें क्या संदेश देती है?**

उत्तर : तोप कविता हमें यह संदेश देती है कि दमनकारी शासन का एक-न-एक दिन पतन अवश्य होता है; जैसे– सन् 1857 की यह तोप, जो कभी बहुत शक्तिशाली और क्रूर थी, आज एक खिलौना बनकर रह गई है। पक्षी भी इसका उपहास करते हैं। यह कविता हमें यह संदेश भी देती है कि धूर्त विदेशी ताकतों को हम अपने देश में पैर न जमाने दें।

प्रश्न 5 : **विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।**

अथवा **'तोप' कविता के आलोक में विरासत में मिली चीज़ों के महत्त्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए।** ***(CBSE 2020)***

उत्तर : विरासत उन वस्तुओं को कहते हैं, जो हमें हमारे पूर्वजों से प्राप्त होती हैं। इनसे हमारे पूर्वजों की यादें जुड़ी होती हैं। इनसे हमें अपने इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। ये हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली उपलब्धियों के विषय में बताती हैं और उनकी उन गलतियों के विषय में भी बताती हैं, जिनके कारण कई पीढ़ियों को दुख भोगना पड़ा। आने वाली पीढ़ियाँ इनसे सीख ले सकें, इसीलिए इनकी सँभाल की जाती है।

प्रश्न 6 : **कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?**

अथवा **तोप को कब-कब चमकाया जाता है? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।** ***(CBSE 2019)***

उत्तर : हमारे देश के दो महत्त्वपूर्ण दिवस हैं–स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है और गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। इन दोनों अवसरों पर ही तोप को चमकाया जाता होगा।

प्रश्न 7 : **'उड़ा दिए थे मैंने अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे' से कवि का क्या अभिप्राय है?**

उत्तर : इन पंक्तियों के द्वारा कवि सन् 1857 के स्वतंत्रता-संग्राम में अंग्रेज़ों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों पर किए गए अत्याचार को बताना चाहता है। इस स्वतंत्रता-संग्राम में अंग्रेज़ों ने भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों को तोप से बहुत ही क्रूरतापूर्वक मार डाला था। कंपनी बाग में रखी तोप इस बात का प्रमाण है।

प्रश्न 8 : कंपनी बाग में रखी तोप अपना परिचय किस प्रकार देती है?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप अपना परिचय देती हुई कहती है कि अपने ज़माने में वह बहुत शक्तिशाली थी और उसने बड़े-बड़े सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए थे।

प्रश्न 9 : निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप

उत्तर : **भाव**–इन पंक्तियों का भाव यह है कि जो तोप कभी बहुत शक्तिशाली और खतरनाक थी, आज बच्चों का एक खिलौना बन गई है। उसके ऊपर बच्चे खेलते हैं और चिड़ियाँ बैठकर गपशप करती हैं। तात्पर्य यह है कि दमनात्मक शक्ति अधिक दिनों तक नहीं रहती और जिस दिन वह समाप्त हो जाती है, उस दिन उस दमनकारी की छोटे-से-छोटा प्राणी भी उपेक्षा करता है।

प्रश्न 10 : कंपनी बाग में 1857 की तोप अभी तक क्यों रखी गई है?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप एक विरासत है, जो हमें हमारे इतिहास के विषय में बताती है। यह बताती है कि हमारे पूर्वजों ने क्या गलती की थी और उसके कारण हमें कैसे-कैसे अत्याचारों को सहना पड़ा था। हम भविष्य में ऐसी गलती न करें; यही सीख देने के लिए 1857 की तोप को अभी तक कंपनी बाग में रखा गया है।

प्रश्न 11 : तोप और चिड़ियाँ किसका प्रतीक हैं? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : तोप अत्याचारी अंग्रेज़ी-शासन की प्रतीक है तथा चिड़ियाँ सामान्य जनता का प्रतीक हैं। अंग्रेज़ों ने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले भारतीयों को तोप से मार डाला था और उन पर तरह-तरह के अत्याचार किए थे। तोप यही कहानी कहती प्रतीत होती है। आज तोप पर चिड़ियाँ बैठकर गपशप करती हैं अर्थात् उसकी उपेक्षा करती हैं। अत्याचारी शासक का जब पतन हो जाता है तो जनता उसकी उपेक्षा करती है, स्पष्ट है कि यहाँ चिड़ियाँ सामान्य जनता की प्रतीक हैं।

प्रश्न 12 : तोप कहाँ सँभालकर रखी गई है और क्यों?

उत्तर : तोप को कंपनी बाग के मुख्य द्वार पर सँभालकर रखा गया है; क्योंकि यह एक धरोहर है। यह सन् 1857 ई० की तोप है। कंपनी बाग में सुबह-शाम घूमने के लिए आने वाले सैलानियों को यह स्वतंत्रता-संग्राम की याद दिलाती रहती है, इसीलिए इसे वहाँ रखा गया है।

प्रश्न 13 : अब 'तोप' की क्या स्थिति है? उसका रौब-दाब क्यों खत्म हो गया?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी 1857 की तोप कभी बहुत शक्तिशाली और भयंकर थी; क्योंकि उसके स्वामी अंग्रेज़ भी शक्तिशाली और क्रूरकर्मा थे। आज वह तोप बच्चों का खिलौना और चिड़ियों के बैठने का ठिकाना भर रह गई है। उसका रौब-दाब इसलिए खत्म हो गया है; क्योंकि उसके स्वामी अंग्रेज़ों की शक्ति और सत्ता भारत से समाप्त हो गई है। अब उससे किसी को भी भय नहीं लगता है।

प्रश्न 14 : तोप अपना महत्त्व किस रूप में बताती है? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। ***(CBSE 2015, 16)***

उत्तर : तोप अपना महत्त्व बताते हुए कहती है कि वह अपने जमाने में अर्थात् अंग्रेज़ी-शासन में बहुत शक्तिशाली थी। उसने बड़े-बड़े सूरमाओं अर्थात् भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों को मार डाला था। उस समय उसका बहुत आतंक था।

प्रश्न 15 : क्या तोप को साल में दो बार चमकाया जाना पर्याप्त है? क्यों? ***(CBSE 2015)***

उत्तर : हमारे विचार से तोप को साल में दो बार चमकाया जाना पर्याप्त है। 'तोप' अंग्रेज़ों के अत्याचार और भारतीयों के स्वतंत्रता-संघर्ष की कहानी की प्रतीक है। साल में 15 अगस्त और 26 जनवरी को हम दो बार इस कहानी को याद करते हैं। जो हमारे अंदर देशप्रेम की भावना को भरती है। बार-बार किसी कहानी को दोहराने से उसका रस और महत्त्व समाप्त हो जाता है; अतः तोप को दो बार चमकाया जाना पर्याप्त है।

प्रश्न 16 : 1857 की तोप का क्या आशय है? ***(CBSE 2015)***

उत्तर : 'तोप' यहाँ शक्तिशाली और अत्याचारी का प्रतीक है। इसका आशय यह है कि कोई कितना भी शक्तिशाली और अत्याचारी हो, एक-न-एक दिन उसका और उसके अत्याचार का अंत अवश्य हो जाता है। 1857 में अंग्रेज़ बहुत शक्तिशाली थे, इसलिए वे भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों को दबाने और मारने में सफल रहे। लेकिन 15 अगस्त, 1947 को उनकी शक्ति और सत्ता का अंत हो गया और उन्हें भारत से भागना पड़ा।

प्रश्न 17 : तोप कविता में गौरैया द्वारा क्या बताया गया है?

उत्तर : तोप कविता में गौरैया तोप के अंदर घुस जाती है। मानो वह बताती है कि यह वही तोप है, जो कभी आग के गोले उगलती थी और जिससे लोग थर्राते थे। गौरैया बताती है कि आज मैं इसके अंदर निडर होकर घुस जाती हूँ। आज यह एक खिलौनामात्र है। तोप चाहे कितनी भी बड़ी हो, एक दिन उसका मुँह अवश्य बंद हो जाता है अर्थात् अत्याचारी का पतन अवश्य होता है।

प्रश्न 18 : 'तोप' कविता का उद्‌देश्य/प्रतिपाद्‌य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'तोप' कविता का उद्‌देश्य/प्रतिपाद्‌य यह बताना है कि शस्त्र-शक्ति और दमनकारी नीति का परिणाम अच्छा नहीं होता। तीर, तलवार और तोप से क्रांति को कुछ समय के लिए दबाया जा सकता है, हमेशा के लिए नहीं। क्रांति की चिंगारी तो ऐसी होती है, जो दबकर और अधिक विकराल रूप धारण कर लेती है। जब यह चिंगारी भड़कती है तो बड़ी-बड़ी तोपों के मुँह भी बंद हो जाते हैं। बड़े-बड़े शक्तिशाली साम्राज्य इसकी ज्वाला में भस्म हो जाते हैं। पाठ में दिखाया गया है कि जो तोप कभी बहुत शक्तिशाली और क्रूर थी, जिसने बहुत-से शूरवीरों के चिथड़े-चिथड़े कर दिए थे, आज बच्चों का खिलौना बन गई है और पक्षी तक उसकी उपेक्षा करते हैं। अंग्रेज़ी-शासकों ने भी अपने ज़माने में भारतीयों को दबाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन अंत में उनका पतन हुआ और उन्हें भारत छोड़कर भागना पड़ा।

प्रश्न 19 : पाठ में तोप की कौन-कौन-सी दो स्थितियाँ दिखाई गई हैं? उनके द्‌वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर : पाठ में तोप की पहली स्थिति सन् 1857 की है। उस समय उसका अपना ज़माना था, अर्थात् वह भारत में शासन करने वाले अंग्रेज़ों की तोप थी। उस समय वह बहुत जबरदस्त थी और उसका बहुत आतंक था। उसने स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले बहुत-से भारतीय शूरवीरों को मार डाला था। इस स्थिति के द्‌वारा कवि

यह संदेश देना चाहता है कि जब तक अत्याचारी के पास शस्त्रों की ताकत रहती है, वह उसका दुरुपयोग करता ही है। तोप की दूसरी स्थिति आज की है। आज देश आज़ाद है। उस तोप के स्वामी अंग्रेज़ भारत से चले गए हैं। इसलिए वह अनाथ है। उसकी ताकत समाप्त हो गई है। आज बच्चे उसकी घुड़सवारी करते हैं और चिड़ियाँ उस पर बैठकर गपशप करती हैं। इस स्थिति के द्वारा कवि संदेश देना चाहता है कि अत्याचारी और दमनकारी का एक दिन पतन हो जाता है और वह उपेक्षा का पात्र बनकर रह जाता है।

प्रश्न 20 : 'तोप' कविता में तोप अपने आकार से सहमाती (भयभीत करती) है परंतु बच्चे और चिड़ियाँ उसके साथ क्या करते हैं? इस उदाहरण से कवि क्या सिद्ध करना चाहता है?

उत्तर : 'तोप' भय और आतंक का प्रतीक होती है। वह अपने विशाल आकार से सामने वाले को भयभीत और आतंकित करती है। तोप का नाम सुनते ही हृदय में भय उत्पन्न होता है। कंपनी बाग के मुख्य द्वार में प्रवेश करते ही एक तोप रखी दिखाई देती है। यह तोप 1857 की है। गोरे शासकों ने भारतीय क्रांतिकारियों के विद्रोह को दबाने के लिए इस तोप का प्रयोग किया था। इस तोप ने न जाने कितने सारे शूरवीरों को मार डाला था, किंतु फिलहाल यह तोप खिलौने की तरह काम आती है। इस पर बैठकर छोटे-छोटे बच्चे घुड़सवारी कर आनंद लेते हैं और जब बच्चे न हों तो अक्सर चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं। कभी-कभी वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं। इस उदाहरण से कवि यह सिद्ध करना चाहता है कि अन्याय-अत्याचार करने वाला भले ही कितना ताकतवर क्यों न हो, आखिरकार उसे एक दिन चुप होना ही पड़ता है अर्थात् अन्याय करने वालों का एक दिन अंत होकर रहता है। बड़े-बड़े शूरवीर भी परास्त हो जाते हैं और फिर उनका हाल इस तोप के समान हो जाता है।